भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1229

मंगलवार, 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

कंटेनरों की कमी

1229. डॉ. सी.एम.रमेशः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लंबी यात्रा के समय और इसके परिणामस्वरूप कंटेनर की कमी भारतीय निर्यात को प्रभावित कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस्राइल और हमास के बीच युद्ध, लाल सागर में हौथी विद्रोहियों के हमले और रूस और यूक्रेन युद्ध कंटेनरों की उपलब्धता को किस सीमा तक प्रभावित कर रहे हैं;

(ग) भारत द्वारा कंटेनरों का निर्माण न कर पाने और अन्य देशों से कंटेनर प्राप्त करने की बजाय इनकी आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं होने के क्या कारण हैं;

(घ) वर्ष 2021 से अब तक बीएचईएल और ब्रेथवेट आदि को प्रदान किए गए कंटेनरों के आर्डर का ब्यौरा क्या है और क्या घरेलू कंपनियां आर्डर पूरा कर पा रही हैं;

(ङ) यदि नहीं, तो सरकार इस संबंध में किस सीमा तक आगे बढ़ने की योजना बना रही है और यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या भावी योजना है; और

(च) क्या आन्ध्र प्रदेश में कंटेनर विनिर्माता हैं और कॉनकॉर्ड भी इसके साथ आर्डर देता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख) : केप ऑफ गुड होप के लंबे मार्ग के माध्यम से यात्रा करने के कारण जहाजों द्वारा लगने वाले समय से भारतीय निर्यात सहित वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक माल पहुंचने में अधिक समय लग रहा है। हालांकि, लंबी यात्रा अवधि या लाल सागर संघर्ष के मुद्दों और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कंटेनरों की कोई कमी नहीं बताई गई है। संभावित उपायों का आकलन करने के लिए शिपिंग लाइनों, पत्तन/टर्मिनल और निर्यात/आयात संघों से नियमित रूप से चर्चा की जा रही है।

(ग) : भारत में विनिर्मित कंटेनरों की मांग सीमित है और तदनुसार भारत में कंटेनरों के लिए विनिर्माण क्षमता भी सीमित है। कंटेनर विनिर्माण उद्योग में आर्थिक किफायत का प्रभुत्व है जो अन्य देशों के स्थापित विनिर्माताओं के पक्ष में रहती है, जो कम उत्पादन लागत, उन्नत प्रौद्योगिकियों और तत्काल कार्गो लोडिंग अवसरों का लाभ उठाते हैं।

(घ) और (ङ) : कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर), जो भारत में प्रमुख कंटेनर ऑपरेटरों में से एक है, जिसको बीएचईएल, ब्रेथवेट एंड कंपनी आदि सहित भारतीय विनिर्माताओं से कंटेनर प्राप्त हो रहा है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:

क. कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) द्वारा वर्ष 2021 से दिए गए कुल ऑर्डरों की संख्या: कुल 20,890 कंटेनर्स

i.	मैसर्स मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल)	-1,950 कंटेनर्स
ii.	मैसर्स ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड	-840 कंटेनर्स
iii.	बीएचईएल	-शून्य
iv.	अन्य निजी कंपनियां	-18,100 कंटेनर्स

ख. नवंबर 2024 तक डिलिवर किए गए कुल ऑर्डर: 14,607 कंटेनर

i.	मैसर्स मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल)	-1,500 कंटेनर्स
ii.	मैसर्स ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड	-236 कंटेनर्स
iii.	अन्य निजी कंपनियां	-12,871 कंटेनर्स

(च) : कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) ने वर्ष 2021 से अब तक आंध्र प्रदेश स्थित मैसर्स अंबा कोच बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को कुल 2500 कंटेनर्स का ऑर्डर दिया है, जिसमें से नवंबर, 2024 तक 28 कंटेनर डिलीवर किए गए हैं।

*****